Parimal Nathwani
Member of Parliament
(Rajya Sabha)

Member:
Standing Committee on Personnel, Public Grievances, Law & Justice
Consultative Committee, Ministry of Commerce and Industry
Permanent Special Invitee:
Consultative Committee, Ministry of External Affairs

सत्यमेव जयते

B/107, Harmu Housing Colony,
P. O. Doranda,
P. S. Argora,
Ranchi - 834 012
Ph. : 0651-2244144
e-mail : parimal.nathwani@sansad.nic.in

वैश्विक वाणिज्य और चीन के साथ में व्यापार बढाने के लीए सरकार प्रयत्नशील : सिंधिया

अगस्त 4, 2011 : विश्व में बिकाऊ माल-सामान के निर्यातों में भारत का हिस्सा जनवरी-मार्च 2011 के दौरान पिछले वर्ष की इसी अवधि के मुकाबले 1.49 प्रतिशत से बढ़कर 1.73 प्रतिशत हो गया है। उपर्युक्त अवधि के दौरान ऐसे निर्यातों में चीन का हिस्सा 9.14 प्रतिशत से बढ़कर 9.45 प्रतिशत हो गया है। चीन के साथ व्यापार में घरेलु उत्पादनों की निकास में बढ़ोतरी होने की संभावना है। यह जानकारी केन्द्रीय वाणिज्य एवम् उद्योग राज्य मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राज्य सभा सांसद श्री परिमल नथवाणी द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर में दी।

मंत्रीजी ने आगे में बताया कि हमारे हिस्से को बढ़ाने एवम् बाजारों तथा उत्पादों का विविधीकरण करने के लिए कई स्कीमें हैं। जैसे कि फोकस बाजार स्कीम (एफ.एम.एस.), फोकस उत्पाद स्कीम (एफ.पी.एस.), बाजार संघ फोकस उत्पाद स्कीम (एफ.टी.पी.), 2009-14 के लिए जनवरी एवम् मार्च 2010 में और बाद में 23 अगस्त, 2010 को जारी विदेश व्यापार नीति के वार्षिक पूरक अंक तथा फरवरी 2011 में की गई घोषणाओं में प्रोत्साहनों का प्रावधान किया गया है।

चीन के साथ व्यापार के जवाब में मंत्रीजी ने बताया कि चीन की सरकार द्वारा घरेलू खपत पर ध्यान दिये जाने से भारत से चीन में होनेवाले परिधानों, परिष्कृत आभूषणों, छोटी कारों, इंजीनियरी उत्पादों, घरेलू सामानों इत्यादि जैसे उपभोक्ता उत्पादों के निर्यातों के बढ़ने की संभावना है।

मंत्रीजी ने अपने निवेदन में यह भी बताया कि औषध एवम् भेषज, सूचना प्रौद्योगिकी (आई.टी.) एवम् सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाएं (आई.टी.ई.एस.), ओटोमोटिव एवम् इंजीनियरी ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें भारतीय उद्योग को कुछ प्रतिस्पर्धी लाभ प्राप्त हैं। इन क्षेत्रों के अलावा विद्युत उपकरण, अवसंचरना एवम् दूरसंचार क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग हेतु व्यापक संभावना मौजूद है। इन क्षेत्रों की भारतीय कंपनियों को चीन के बाजार में अपने उत्पादों का प्रदर्शन करने के लिए और चीन की कंपनियों के साथ बहेतर सहयोग हेतु चीन में आयोजित होने वाले व्यापार मेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है; ऐसा भी मंत्री महोदय ने कहा।

★ ★ ★